



DR. SANKURATHRI CHANDRASEKHAR

Dr. Sankurathri Chandrasekhar is an eminent social activist and the Managing Trustee of Sankurathri Foundation; the President of Manjari Sankurathri Memorial Foundation; Correspondent of Sarada Vidyalayam and Managing Director of Srikiran Institute of Ophthalmology.

2. Born on 20th November, 1943. Dr. Sankurathri received his M.Sc. degree in Zoology from Andhra University, M.S. degree in Biology from the Memorial University of Newfoundland, Canada and Ph.D. degree from the University of Alberta, Edmonton, Canada. Later, he worked in Canada for 13 years in various capacities and returned to India in 1988 to start the humanitarian work.

3. Dr. Sankurathri established Sankurathri Foundation as a memorial to his wife and two children killed in the explosion of Air India Flight 182 off the coast of Ireland on 23rd June, 1985. The Foundation's aim is to improve the quality of life among rural poor and needy through some sustainable developmental projects. He has been in Kakinada since 1988 to organize, implement and manage the projects, children's education, quality eye care and emergency relief measures during natural disasters. He educated over 5,000 rural students, eye care services to over 37 lakhs of people and performed over 3,25,000 surgeries.

4. Dr. Sankurathri's work is well recognized. He has won many awards and recognitions for his selfless services to the humanity. An hour-long documentary "A Ray of Light" was broadcasted by Canadian Broadcasting Company in 2005; "Margadarsi" by ETV 2 in 2008 and "Velugu - Veliginchu" by Maa TV in 2011. For his outstanding work, he received many awards like CNN Hero by CNN International in 2008 and was the first Indian to be nominated. He was invited by the World Volunteer Conference, Edmonton, Canada in 1998, and in 2009 he was featured as one among six people making Canada proud by his work. In 2010, he received Certificate of recognition by Government of Ontario, Canada for the outstanding contribution to humanity. In 2012, he received "Doctor of Laws" degree from Memorial University of Newfoundland, Canada. In 2013, he received "Humanitarian of the Year" by the Indo-Canada Chamber of Commerce. In 2016, he was awarded "Outstanding Humanitarian Service Award", by The Canadian Ophthalmological Society for unfailing dedication and compassion in providing accessible, equitable and quality eye care to underserved populations.

5. In India, Dr. Sankurathri received best NGO award for performing maximum number of cataract surgeries by the Government of Andhra Pradesh in 2002 and 2003. He received "Service above self Award" from Rotary International in 2004; received ASSOCHAM Social Innovation Excellence Award in 2012 and received "Senior Citizen" Award by CNN - IBN in 2013 for the outstanding work. In 2019, he received "Certificate of Appreciation for the services rendered to poor and downtrodden" by Shri M. Venkaiah Naidu, the then Vice-President of India.



डॉ. संकुरात्रि चंद्रशेखर

डॉ. संकुरात्रि चंद्रशेखर प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और संकुरात्री फाउंडेशन के प्रबंध ट्रस्टी; मंजरी संकुरात्री मेमोरियल फाउंडेशन के अध्यक्ष; शारदा विद्यालय के संवाददाता और श्रीकिरण नेत्र विज्ञान संस्थान के प्रबंध निदेशक हैं।

2. 20 नवम्बर, 1943 को जन्मे, डॉ. संकुरात्रि ने आंध्र विश्वविद्यालय से प्राणी विज्ञान में एम.एससी. की डिग्री, मेमोरियल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूफाउंडलैंड, कनाडा से जीवविज्ञान में एम.एस. की डिग्री और अल्बर्टा विश्वविद्यालय, एडमोंटन, कनाडा से पीएच.डी की डिग्री प्राप्त की। बाद में, उन्होंने कनाडा में विभिन्न पदों पर 13 वर्ष तक काम किया और मानवीय कार्य शुरू करने के लिए 1988 में भारत लौट आए।

3. डॉ. संकुरात्रि ने 23 जून, 1985 को आयरलैंड टट पर एयर इंडिया फ्लाइट 182 के विस्फोट में मारी गई अपनी पत्नी और दो बच्चों की स्मृतिस्वरूप संकुरात्रि फाउंडेशन की स्थापना की। इस फाउंडेशन का उद्देश्य कुछ सतत विकास परियोजनाओं के माध्यम से गांव में रहने वाले गरीबों और जरूरतमंदों के जीवन में सुधार लाना है। वह परियोजनाओं, बच्चों की शिक्षा, आंखों के बेहतर इलाज और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान आपातकालीन राहत उपायों की व्यवस्था करने, उनके कार्यान्वयन और प्रबंधन के लिए 1988 से काकीनाडा में हैं। उन्होंने 5,000 से अधिक ग्रामीण छात्रों को शिक्षित किया, 37 लाख से अधिक लोगों को आंखों की उपचार सेवाएं दीं और 3,25,000 से अधिक सर्जरी कीं।

4. डॉ. संकुरात्रि के कार्य सुविख्यात हैं। उन्होंने मानवता के प्रति अपनी निस्वार्थ सेवाओं के लिए कई पुरस्कार और सम्मान अर्जित किए हैं। कैंनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी द्वारा 2005 में एक घंटे की डॉक्यूमेंट्री "ए रे ऑफ लाइट"; 2008 में ईटीवी 2 द्वारा "मार्गदर्शी" और 2011 में मा टीवी द्वारा "वेलुगु-वेलिंगिंचू" का प्रसारण किया गया था। अपने उत्कृष्ट कार्य के लिए, उन्हें 2008 में सीएनएन इंटरनेशनल द्वारा सीएनएन हीरो जैसे कई पुरस्कार प्राप्त हुए और वह इसमें नामित होने वाले वह पहले भारतीय थे। उन्हें 1998 में वर्ल्ड वॉलियंटर्स कॉन्फ्रेंस, एडमोंटन, कनाडा द्वारा आमंत्रित किया गया था, और 2009 में उन्हें उन छह लोगों में शामिल किया गया जिन्होंने अपने कार्य से कनाडा को गौरवान्वित किया। ओन्टारियो, कनाडा सरकार द्वारा 2010 में, उन्हें मानवता के प्रति उत्कृष्ट योगदान के लिए मान्यतापत्र प्रदान किया गया। 2012 में, उन्होंने मेमोरियल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूफाउंडलैंड, कनाडा से "डॉक्टर ऑफ लॉज" की डिग्री प्राप्त की। 2013 में, उन्हें इंडो-कनाडा चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा "ह्यूमैनिटेरियन ऑफ द ईयर" का खिताब प्रदान किया गया। 2016 में, कैंनेडियन ऑपथेल्मोलोजिकल सोसाइटी द्वारा वंचित लोगों को सुलभ, समतापूर्ण और आंखों की श्रेष्ठ उपचार सेवा प्रदान करने के प्रति दृढ़ निष्ठा और सहृदयता के लिए उन्हें "उत्कृष्ट मानवतावादी सेवा पुरस्कार" से सम्मानित किया गया था।

5. भारत में, डॉ. संकुरात्रि को आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा 2002 और 2003 में अधिकतम संख्या में मोतियाबिंद सर्जरी करने के लिए सर्वश्रेष्ठ एनजीओ पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने 2004 में रोटरी इंटरनेशनल से "सर्विस अबॉव सेल्फ अवार्ड" प्राप्त किया; 2012 में उन्हें एसोचैम सोशल इनोवेशन एक्सीलेंस अवार्ड मिला और उन्हें उत्कृष्ट कार्य के लिए 2013 में सीएनएन-आईबीएन द्वारा "वरिष्ठ नागरिक" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2019 में, उन्हें भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू द्वारा "गरीबों और वंचितों को प्रदान की गई सेवाओं के लिए प्रशंसापत्र" प्रदान किया गया।